



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 21 जुलाई, 2021

मून लैंडिंग डे

प्रतविष्ट 20 जुलाई को वैश्वकि स्तर पर 'मून लैंडिंग डे' का आयोजन किया जाता है। यह दिवस वर्ष 1969 में चंद्रमा पर पहली बार कदम रखने वाले व्यक्तियों एवं उनकी उपलब्धियों के सम्मान में मनाया जाता है। गौरतलब है कि 'अपोलो-11' अंतरिक्ष मशिन में कमांडर नील आर्मस्ट्रांग और मॉड्यूल पायलट- बज़ एल्डरनि तथा माइकल कॉलनिस शामिल थे। यद्यपी बज़ एल्डरनि और नील आर्मस्ट्रांग ने चंद्रमा की सतह पर पहली कुरु लैंडिंग की थी, वही माइकल कॉलनिस चंद्रमा के चारों ओर अपोलो-11 कमांड मॉड्यूल कोलंबिया को उड़ा रहे थे। दो अंतरिक्ष यात्रियों ने चंद्रमा की सतह से 21.5 किलोग्राम वज़न के नमूने एकत्र किये थे, जिन्हें विश्लेषण के लिये पृथक्षी पर वापस लाया गया था। 'नेशनल मून डे' या 'मून लैंडिंग डे' को वर्ष 1971 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रायर्ड नकिसन द्वारा घोषित किया गया था। इस मशिन की सफलता के बाद नासा ने इस लैंडिंग को 'सबसे बड़ी तकनीकी उपलब्धि' के रूप में घोषित किया था। 20 जुलाई न केवल अमेरिका के इतिहास में बल्कि दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक है, क्योंकि इस दिन आकाश में अन्वेषण और संभावनाओं का नवीन मार्ग प्रशस्त हुआ।

राष्ट्रीय रसद उत्कृष्टता पुरस्कार

कोवडि-19 महामारी से मुकाबले के लिये लॉजिस्टिक क्षेत्र में विभिन्न संगठनों द्वारा किये गए असाधारण उपायों की सराहना करने हेतु केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत रसद प्रभाग ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयासों को मान्यता देने हेतु 'राष्ट्रीय रसद उत्कृष्टता पुरस्कार' शुरू करने की घोषणा की है। यह पुरस्कार दो श्रेणियों में प्रदान किया जाएगा- पहली श्रेणी में लॉजिस्टिक अवसंरचना/सेवा प्रदाता शामिल हैं, जबकि द्वितीय श्रेणी में विभिन्न उपयोगकर्ता उद्योगों को शामिल किया गया है। 'राष्ट्रीय रसद उत्कृष्टता पुरस्कार' भारतीय रसद क्षेत्र में हो रहे नवाचार और प्रविरतन को पहचानने तथा उसे उजागर करने हेतु एक मंच के रूप में काम करेगा। साथ ही पुरस्कार के माध्यम से 'केस स्टडीज़' का एक भंडार एकत्रित किया जा सकेगा, जो उद्योग के दिग्गजों द्वारा संदर्भित और पालन की जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं का संकलन होगा। पुरस्कार समेकन, प्रक्रया मानकीकरण, तकनीकी उन्नयन, डिजिटल प्रविरतन तथा महामारी में प्रयोग की गई सर्वोत्तम प्रथाओं को रेखांकित करेगा। इन पुरस्कारों का प्राथमिक लक्ष्य उन लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं पर ध्यान केंद्रित करना है, जिन्होंने परिवालन उत्कृष्टता प्राप्त की है, डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी को अपनाया है, ग्राहक सेवा में सुधार किया है और अन्य उपलब्धियों के साथ सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन किया है।

पेरू के नए राष्ट्रपति- पेड्रो कैस्टिलो

हाल ही में पेड्रो कैस्टिलो को पेरू का नया राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है। 51 वर्षीय पूरव स्कूल शिक्षक और यूनियन नेता पेड्रो कैस्टिलो को 50% से अधिक मत प्राप्त हुए हैं। पेड्रो कैस्टिलो तकरीबन चार वर्ष पूरव राष्ट्रीय राजनीतिकि परदिश्य में तब सामने आए थे, जब उन्होंने वेतन बढ़ातेरी को लेकर एक सफल राष्ट्रीय हड्डताल में हजारों शक्तियों का नेतृत्व किया था। इतिहासकारों का कहना है कि पेड्रो कैस्टिलो पेरू के राष्ट्रपति बनने वाले पहले कसिन हैं, वहाँ अब तक सवादेशी लोगों को सबसे खराब सार्वजनिकि सेवाओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। पेरू प्रशांत महासागर के तट पर अवस्थिति है तथा पाँच देशों- उत्तर दिशा में इक्वाडोर, कोलंबिया, पूर्व में ब्राज़ील, दक्षिण-पूर्व में बोलिविया तथा दक्षिण में चली के साथ सीमा रेखा बनाता है। पेरू दक्षिण अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा (क्षेत्रफल में) देश है। पेरू में 'ऐलोबीज़' नामक मछली का सर्वाधिक उत्पादन होता है। अमेज़न नदी का उद्गम ऐंडीज़ प्रवात, पेरू से होता है, जबकि अंत में इसका जल अटलांटिक महासागर में मलि जाता है।

मथुरा में देश का पहला 'ग्रीन हाइड्रोजन' प्लांट

तेल एवं ऊर्जा के स्वच्छ रूपों की बढ़ती मांग को पूरा करने के उद्देश्य के तहत भारत की सबसे बड़ी तेल कंपनी 'इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन' (IOC) अपनी मथुरा रफिइनरी में देश का पहला 'ग्रीन हाइड्रोजन' प्लांट स्थापित करेगी। 'इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन' (IOC) ने एक रणनीति तैयार की है, जिसका उद्देश्य अपने मुख्य रफिइनरी और ईंधन विपणन व्यवसायों पर ध्यान केंद्रित करते हुए आगामी 10 वर्षों में पेट्रोकेमिकल्स, हाइड्रोजन और इलेक्ट्रोकेमिकल्स मोबालिटी के विस्तार को बढ़ावा देना है। कंपनी भविष्य में अपनी सभी रफिइनरी और पेट्रोकेमिकल विस्तार परियोजनाओं में कैप्टविपावर पलांट स्थापित नहीं करेगी और इसके बजाय सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न होने वाली 250 मेगावाट बजिली का उपयोग करेगी। ध्यातव्य है कि हाइड्रोजन को विश्व भर की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने की दृष्टिसे काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यद्यपि हाइड्रोजन स्वयं एक स्वच्छ ईंधन है, किंतु इसका निर्माण अत्यधिक ऊर्जा-गहन है और इसमें कार्बन उपोत्पाद शामिल है। 'ग्रीन हाइड्रोजन' के उत्पादन में हाइड्रोजन ईंधन बनाने के लिये नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग किया जाता है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-21-july-2021>